उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
मुख्यमंत्री आवास, न्यू कैंट रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 09 सितम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–05(09/37)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत रविवार दिनाँक 10 सितम्बर, 2017 को प्रातः 09.30 बजे आई0एम0ए0 ब्लड बैंक, बल्लूपुर में श्री नरेन्द्र मोदी विचार एवं श्री साईं सेवा समिति द्वारा आयोजित रक्त दान शिविर में प्रतिभाग करेंगे। उसके पश्चात् मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र प्रातः 10.00 बजे सर्वे चौक, आईआरडीटी ऑडिटोरियम, देहरादून में भारत रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पंत जी की जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में प्रतिभाग करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र प्रातः 10.20 बजे हैलीकॉप्टर द्वारा नई टिहरी के लिए प्रस्थान कर बौराड़ी हैलीपैड, नई टिहरी में 10.55 बजे पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र प्रातः 11.10 बजे बहुउद्देशीय भवन, नई टिहरी में जनता मिलन कार्यक्रम में जनता से मिलेंगे। उसके बाद अपराह्न 13.00 बजे बहुउद्देशीय भवन, नई टिहरी में पार्टी कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र अपराह्न 15.05 बजे जिला कार्यालय, सभागार नई टिहरी में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सांय 16.45 बजे बौराड़ी हैलीपैड से देहरादून के लिए प्रस्थान करेंगे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 09 सितम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–04(09/36)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भारत रत्न पं.गोविन्द बल्लभ पंत की जयंती पर उनका स्मरण करते हुए उनको श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि पण्डित गोविंद बल्लभ पंत एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं समर्पित देशसेवी थे, जिन पर हमें गर्व है। उन्होने कुली बेगार तथा जमींदारी उन्मूलन के लिए भी निर्णायक लड़ाई लड़ी और समाज से इन बुराईयों को मिटाने में अहम भूमिका निभाई।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 09 सितम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–03(09/35)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को डूंगा हाउस देहरादून में हिमालय दिवस के अवसर पर हिमालय यूनिट मिशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन को सुरक्षित करने के लिए हिमालय का संरक्षण करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें लगभग 65 प्रतिशत खाद्यान्न की आपूर्ति गंगा बेसिन से होती है जबकि 65 प्रतिशत पानी हिमालय से ही मिलता है। हिमालय के संरक्षण के लिए सबको सामूहिक जिम्मेदारी निभानी होगी। हिमालय एवं पर्यावरण के संरक्षण के लिए किसी न किसी रूप में प्रत्येक व्यक्ति योगदान दे सकता है। पर्यावरणविद डॉ अनिल जोशी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति हिमालय से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ा है। आज हमें हिमालय के बदलते स्वरूप पर चिंतन करने की आवश्यकता है। प्रकृति के विज्ञान को समझने की जरूरत है। हिमालय का संरक्षण एवं संवर्द्धन देश हित का सवाल है। इसके लिए सबको सरकार के प्रयासों के साथ ही अपनी सामूहिक जिम्मेदारी लेकर हिमालय को बचाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय भट्ट, विधायक श्री गणेश जोशी, श्री किशोर उपाध्याय, श्री सूर्यकांत धस्माना आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 09 सितम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–02(09/34)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को एक स्थानीय होटल में आयोजित सतत् पर्वतीय विकास सम्मेलन का उद्घाटन किया। हिमालय दिवस के अवसर पर आयोजित इस दो–दिवसीय सम्मेलन का आयोजन राज्य के नियोजन विभाग द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने हिमालय संरक्षण के लिए 'थ्री सी' और 'थ्री पी' का मंत्र दिया। थ्री सी यानी केयर, कंजर्व और को–ऑपरेट एवं थ्रीपी यानी प्लान, प्रोड्यूस और प्रमोट। मुख्यमंत्री ने राज्य में वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से ईको टास्क फोर्स की दो कंपनियां गठित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन दो कंपनियों में लगभग 200 पूर्व सैनिक सेवा देंगे और आने वाले वर्षों में इस पर लगभग 50 करोड़ रुपए, व्यय का अनुमान है। हिमालय दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और अन्य कर्णधारों से देहरादून की रिस्पना नदी को फिर से पुराने स्वरूप में लाने की अपील भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिस्पना नदी जिसे पूर्व में ऋषिपर्णा नदी कहा जाता था, उसे फिर से प्रदूषण मुक्त और निर्मल जल से युक्त करने के लिए लोग अपने सुझाव दें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा की परिकल्पना बिना हिमालय के नहीं हो सकती है और देश और दुनिया की गंगा के प्रति आस्था यह व्यक्त करती है कि उनकी हिमालय के प्रति भी आस्था है। हिमालय, भारत का भाल तो है ही, सामरिक दृष्टि से भारत की ढाल भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके द्वारा पिछले 03 माह से जल संचय जीवन संचय और एक व्यक्ति एक वृक्ष का जो अभियान चलाया जा रहा है, वह हिमालय संरक्षण की दिशा में ही एक कदम है। उन्होंने कहा कि हिमालय के गांवों से बाहर निकलकर प्रवासी हो चुके लोगों को 'सेल्फी फ्रॉम माय विलेज' और जन्मदिन–विवाह की वर्षगांठ जैसे महत्वपूर्ण समारोह को अपने गांव में मनाने की अपील भी इसी दिशा में एक प्रयास है। इसी बहाने लोग अपने गांव में कुछ दिन गुजारेंगे और पर्वतीय प्रदेश से उनका रिश्ता फिर से मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय हमारे जीवन के हर सरोकार से जुड़ा हुआ है। भारतीय संस्कृति का जन्मदाता भी हिमालय है। हिमालय की चिंता सिर्फ सरकार करें यह संभव नहीं है, अधिकतम जन सहभागिता की आवश्यकता है। समाज के हर छोटे बड़े प्रयास की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नियोजन विभाग द्वारा राज्य की बेस्ट प्रैक्टिसेज को दर्शाने के लिए बनाई गई वेबसाइट ''ट्रांसफॉर्मिंग उत्तराखंड'' का विमोचन किया। उन्होंने प्रसिद्ध पर्यावरणविद डॉ.अनिल जोशी द्वारा लिखी गई पुस्तक ''हिमालय दिवस'' का भी विमोचन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद हरिद्वार डॉ.रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि जल, जंगल, जमीन और जन को एक साथ मिलाकर समन्वित प्रयास करके हिमालय को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हर हिमालयी राज्य की अपनी विशेष आवश्यकताएं होती हैं और उनको ध्यान में रखते हुए योजनाओं को नियोजित किए जाने की जरूरत है। डॉ.अनिल जोशी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल जैसे राज्य जो हिमालय की संपदा का अधिक लाभ उठाते हैं, उन्हें भी आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कंज्यूमर को कंट्रीब्यूटर भी होना चाहिए।

आईएमआई के सचिव श्री सुशील रमोला ने कहा कि हिमालय को बचाने के लिए सभी स्टेकहोल्डर्ज को साथ में मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने हिमालयी राज्यों के इंटर रीजनल पार्टनरशिप पर भी बल दिया।

अपर मुख्य सचिव डॉ.रणवीर सिंह ने लोगों का स्वागत करते हुए सतत् पर्वतीय विकास सम्मेलन की आवश्यकता और महत्व को बताया। उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग और पलायन जैसे मुद्दों पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम को परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद मुनि ने भी संबोधित किया। उद्घाटन सत्र के कार्यक्रम में शासन के वरिष्ठ अधिकारी, पर्यावरणविद्, शिक्षाविद और गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग। 7055007009

देहरादून 09 सितम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–01(09/33)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत के निर्देशों के क्रम में लोगों को बेहतर बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने तथा विद्युत कटौती न्यूनतम करने के उद्देश्य से राज्य में हर दिन प्रत्येक विद्युत वितरण खण्ड में विद्युत आपूर्ति कितनी बार गई व कितनी देर के लिए गई का मूल्यांकन किया जा रहा है।

सचिव ऊर्जा श्रीमती राधिका झा ने बताया कि प्रतिदिन विद्युत आपूर्ति रिपोर्ट का अनुश्रवण किया जा रहा है तथा इसके आधार पर विद्युत आपूर्ति गुणवत्ता के क्रियान्वयन को अधिकारियों की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट में शामिल किया जायेगा। इससे अधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति में सुधार लाने के लिये व्यक्तिगत रूप से कार्य करना आवश्यक होगा। सचिव श्रीमती झा ने सभी अधीक्षण अभियन्ताओं एवं अधिशासी अभियन्ताओं को निर्देश दिये है कि दैनिक रूप से विद्युत बाधा का अनुश्रवण किया जाय और विद्युत आपूर्ति में कम से कम कटौती की जाय।

उन्होंने बताया कि ऊर्जा विभाग द्वारा यह योजना राज्य में प्रथम बार लागू की गई है तथा विभाग द्वारा इस दिशा में विशेष कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है, जिसके फलस्वरूप विगत वर्ष में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में माह अप्रैल से जुलाई(चार माह) में प्रणाली में कुल औसतन विद्युत व्यवधान 268 के सापेक्ष घटकर 241 हो गया है तथा इन विद्युत व्यवधानों की अवधि 12586 मिनट से घटकर 9386 मिनट हो गयी हैं। अतः विगत वर्ष की तुलना में सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं को 3200 मिनट अधिक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हुई है, यद्यपि ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी क्षेत्रों के सापेक्ष अभी अपेक्षाकृत कम सुधार आया है। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यृत आपूर्ति में बाधा की सूचना व्यक्ति विशेष द्वारा(मैनवली) दी जाती है तथा शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट से कम विद्युत बाधित सूचना की गणना नही की जाती है।

उन्होंने बताया कि सभी विद्युत वितरण खण्डों की रेटिंग इन मानकों के आधार पर करना भी प्रारम्भ किया गया है, इससे कमी वाले क्षेत्रों को लक्षित कर विशेष कार्य योजना बनाने तथा क्रियान्वयन में आसानी होगी एवं आपसी प्रतिस्पर्धा से कर्मी स्वयं भी विद्युत आपूर्ति में सुधार हेतु प्रोत्साहित होंगे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग / 7055007009